सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 205 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 1 सितम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

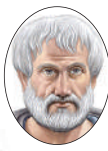

किसी व्यक्ति के लिए स्वयं पर विजय पाना सभी जीतों में सबसे पहली और महान है।

-प्लेटो

बोपन्ना-एबडेन की जीत के साथ... 7 | घोसी उपचुनाव: दिखाएगी लोस चुनाव... 3 | नया सेवा कानून दिल्ली को कर... 2

यूपी में कानून का खौफ खत्म! दुर्दांत वारदातों से सहमी राजधानी

ट्यूशन पढ़ाकर लौट रही युवती से दुष्कर्म का प्रयास

केंद्रीय मंत्री व भाजपा सांसद के घर में युवक की हत्या

» बेखौफ शोहदों ने छात्रा के गले में पड़ा दुपट्टा खींच सड़क पर पटका

» अयोध्या में महिला पुलिसकर्मी से अभद्रता, ट्रामा में चल रहा इलाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है, ऐसा लगता है योगी सरकार का अपराध मुक्त प्रदेश का वादा हवा-हवाई साबित होता जा रहा है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि प्रदेश की राजधानी में बीते 24 घंटे में दो गंभीर वारदातें हुई। पहली घटना में राजधानी लखनऊ के पीजीआई इलाके में बेखौफ शोहदों ने दुर्दांत वारदात को अंजाम दिया..! दरअसल कोचिंग पढ़कर लौट रही छात्रा के गले में पड़ा दुपट्टा खींच सड़क पर पटका और फिर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर छात्रा को लहूलुहान किया।....चींख-पुकार पर भीड़ जुटती देख आरोपी हुए फरार..!! पर्वतीय समाज के संपूर्ण सैनिक प्रकोष्ठ के लोग और मातृशक्ति के लोगों ने सड़क पर उतर कर घटना को निंदा करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।

वहीं दूसरी घटना ठाकुरगंज की है जहां भाजपा सांसद व केंद्रीय मंत्री के घर पर एक युवक व भाजपा कार्यकर्ता की उनके पुत्र के पिस्तौल से गोलीमारकर हत्या कर दी गई है। इसके अलावा अयोध्या में एक महिला पुलिस कर्मी के साथ कुछ लोगों ने अभद्रता की उसके बाद वह बचाव में चोटिल हो गई जिसे बाद में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। ऐसी सनसनीखेज व दिलदहलाने वाली घटनाओं केबाद यूपी की बीजेपी सरकार पूरे विपक्ष के निशाने पर आ गई है। युवक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है।

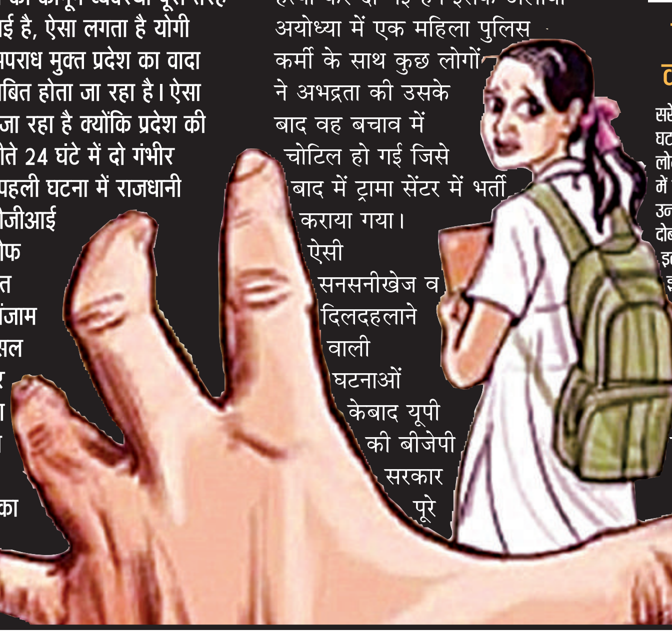

वहीं लखनऊ में पीजीआई इलाके में बुधवार रात ट्यूशन पढ़ाकर स्कूटी से घर लौट रही एक युवती को तीन शोहदों ने रोक लिया और स्कूटी से गिरकर दुपट्टे के सहारे घसीटकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। युवती ने विरोध किया तो आरोपियों ने धारदार हथियार से उसपर हमला कर दिया। हमले में युवती के शरीर पर 16 घाव हुए। शोर सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े तो आरोपी मौके से भाग खड़े हुए। घायल युवती को इलाज के लिए कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीजीआई पुलिस ने केस तो दर्ज कर लिया है, पर आरोपी अभी फरार हैं। इस घटना से नाराज मोहल्ले के लोगों ने बृहस्पतिवार शाम पूरी कॉलोनी में घूम-घूमकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पूर्व सैन्यकर्मी की 20 साल की बेटी अपने परिवार संग वहां रहती है।

मृतक की फाइल फोटो

कालोनी के लोगों ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

सरेराह युवती के साथ हुई इस घटना से नाराज कॉलोनी के लोगों ने बृहस्पतिवार कॉलोनी में घूम-घूमकर प्रदर्शन किया। उन लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की और दोबारा ऐसी घटना किसी के साथ न हो इसके लिए पुलिस से इलाके में सुरक्षा-व्यवस्था को बढ़ाए जाने की मांग रखी। इस संबंध में इंस्पेक्टर पीजीआई राणा राजेश कुमार सिंह का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

अमिताभ ठाकुर ने की सीएम से सीबीआई जांच की मांग

आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के घर हुई हत्या के मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जिस प्रकार से अभी तक लखनऊ पुलिस की प्रतिक्रिया रही है, जो केंद्रीय मंत्री का नाम तक लेने से डर रहे हैं, उससे इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष विवेचना होने पर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। अतः उन्होंने मुख्यमंत्री, यूपी से न्यायहित में मामले की सीबीआई जांच की मांग की है।

पुलिस पर कोई दबाव नहीं, निष्पक्ष जांच करें : कौशल

कौशल किशोर ने घटना की जानकारी पुलिस कमिश्नर को दी जिसके बाद डीसीपी पश्चिमी राहुल राज, एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा, एसीपी चौक सुनील सिंह, एसीपी काकोरी अनूप सिंह फोरेंसिक और डॉग स्क्वाड के साथ घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल की। डीसीपी ने बताया कि तीनों नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने कहा है कि घटना के वक्त उनका बेटा यहां मौजूद ही नहीं था वह दिल्ली में था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जो सच होगा वो सामने निकल कर आएगा। घर में चार से पांच लोग मौजूद थे। मुझे पता चला तो मैंने कमिश्नर से संपर्क किया। जो पिस्टल है वो मेरे बेटे की है। विनय 2017 से मेरे बेटे के साथ है। जिसकी हत्या हुई, वह बहुत अच्छा लड़का था। पुलिस पर कोई दबाव नहीं, पुलिस जांच करे। जो भी दोषी हो पुलिस उस पर सख्त कार्रवाई करें। उस घर में सिर्फ बेटा और उसके दोस्त रहते हैं। साथ में रहने वाले दोस्त घर पर रुकते थे। मेरा बेटा विकास कल शाम से 4.30 बजे से दिल्ली में मौजूद है। वह थोड़ी देर में लखनऊ पहुंचने वाला है। मैं चाहता हूं कि पुलिस हत्याकांड का खुलासा करें।

भाजपा का मुकाबला करने को तैयार करेंगे साझा एजेंडा

» मुंबई में चल रही है आई.एन.डी.आई.ए की बैठक

» 28 राजनीतिक दलों के 63 प्रतिनिधि हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन के तहत विपक्षी दलों के नेता एक बार फिर मुंबई में बैठे। शुक्रवार को बैठक का यह दूसरा और अंतिम दिन है। इससे पहले गठबंधन के नेताओं की पटना और बेंगलुरु में मुलाकात हो चुकी है। मुंबई बैठक में, उनसे एक अभियान रणनीति तैयार करने और ब्लॉक की औपचारिक संरचना को अंतिम रूप देने की उम्मीद जताई जा रही है।

इंडिया ब्लॉक आज एक समन्वय समिति की भी घोषणा कर सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेताओं से अपनी पार्टी से एक-एक नाम देने को कहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक के अन्य एजेंडे में गठबंधन के लिए लोगो चुनना और प्रवक्ता की नियुक्ति शामिल है। गठबंधन में संयोजक रखा जाए या नहीं इस पर भी चर्चा की जा सकती है। अभियान और रैलियों की योजना बनाने, सोशल मीडिया को संभालने और डेटा का प्रबंधन करने के लिए चार उप-समूह होंगे।

विपक्षी दलों के नेताओं के घर और छापे पड़ेंगे, गिरफ्तारिया भी होंगी : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुंबई में आयोजित आइएनडीआइए की बैठक में केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह सरकार केंद्रीय एजेंसियों पर पूर्ण नियंत्रण करना चाहती है लेकिन इस निरंकुश सरकार के जाने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। खरगे ने विपक्ष के नेताओं से आने वाले समय में गिरफ्तारी के लिए तैयार रहने को कहा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतीयों ने परिवर्तन लाने का फैसला किया है।

नया सेवा कानून दिल्ली को कर देगा बर्बाद : केजरीवाल

» बोला केंद्र पर हमला- चुनी हुई सरकार का आदेश नहीं मान रहे अफसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि दिल्ली के लिए नया सेवा कानून अधिकारियों के लिए चुनी हुई सरकार के आदेशों का खुले तौर पर विरोध करने का लाइसेंस दे दिया है, इस वजह से अधिकारी चुनी हुई सरकार के मंत्रियों के आदेशों को मानने से इनकार करने लगे हैं। यह कानून दिल्ली को बर्बाद कर देगा और भाजपा तो यही चाहती है। इस एक्ट को तुरंत निरस्त किया जाना चाहिए।

इस संबंध में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि दिल्ली सेवा अधिनियम ने अधिकारियों को चुनी हुई सरकार के लिखित आदेशों का खुले तौर पर विरोध करने का लाइसेंस दे दिया है और इस वजह से अधिकारी चुनी हुई दिल्ली सरकार के मंत्रियों के आदेशों को मानने से इनकार करने लगे हैं। क्या कोई राज्य या देश या संस्था इस तरह चल सकती है? प्रधान वित्त सचिव द्वारा चुनी हुई सरकार की बात न मानने पर दिल्ली की सर्विसेज मंत्री आतिशी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली पर थोपे गए जीएनसीटीडी एक्ट 2023 के कारण दिल्ली में संविधान, लोकतंत्र, संवैधानिक ढांचे की धज्जियां उड़ रही है। दिल्ली सर्विसेज एक्ट दिल्ली की चुनी हुई सरकार की सारी शक्तियां छीन लेता है। देश के संविधान ने भारत को एक लोकतंत्र बनाया है। लोकतंत्र का अर्थ है कि जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन। साथ ही, ट्रिपल चेन ऑफ अकाउंटबिलिटी सुनिश्चित होता है, जिसमें अफसरों की जबाबदेही मंत्री के प्रति, मंत्री की जबावदेही विधानसभा के प्रति और विधानसभा की जबावदेही जनता के प्रति होगी। इसे बार-बार सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि लोकतंत्र ट्रिपल चेन ऑफ अकाउंटबिलिटी से चलता है।

अदाणी के शेयरों की कीमत बढ़ाकर लोगों को लूटा : आप

आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर अदाणी के भ्रष्टाचार को लेकर बड़ा खुलासा करने का दावा किया है। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने ओसीसीआरपी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि विदेशों में फर्जी कंपनियां खोलकर हजारों करोड़ रुपये अदाणी की कंपनियों में लगाकर शेयर की कीमत बढ़ाई गई और भारतीय निवेशकों को लूटा गया। चीन के व्यापारी चांग चूंग लिंग और यूएई के नासीर अली ने टैक्स हैवेन्स देश मॉरिशस व बरमूडा में ये फर्जी कंपनियां खोली थीं और गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी के साथ मिलकर भारत का पैसा विदेश में भेजा। इसके बाद विनोद अदाणी की एक्सल कंपनी ने इनकी कंपनियों को भारत में स्थित गौतम अदाणी की कंपनियों में पैसा लगाने की सलाह दी। आप की प्रवक्ता रीना गुप्ता ने पार्टी मुख्यालय में कहा कि वर्ष 2014 के पहले से ही सेबी को अदाणी के हजारों करोड़ के भ्रष्टाचार की जानकारी है। इसके बावजूद वह सुप्रीम कोर्ट की आंख में धूल झोंकने का काम कर रही है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट को ओसीसीआरपी की रिपोर्ट का संज्ञान में लेकर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

बहनों को गुमराह नहीं कर सकता कोई : कमलनाथ

» पूर्व सीएम ने बंधवाई राखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ ने अपने निवास पर बहनों से राखी बंधवाई। इस अवसर पर कमलनाथ ने कहा कि मेरी प्राथमिकता बहनों की सुरक्षा है। कमलनाथ ने कहा कि आज महिलाएं ने बाहर आने लगी है, लेकिन उनमें जागरूकता की आवश्यकता है कि उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता। यह आप लोगों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। आज के दिन बहनों की हर प्रकार संकल्प लें कि बहनों की हर प्रकार की मजबूती और रखा के लिए आप वचनबद्ध है।

कमलनाथ ने कहा कि आज हमारे प्रदेश के जो हालात है। हम महिलाओं पर अत्याचार में नंबर-वन है। हम देशभर में कलंकित है। आपको भी राखी के दिन यह संकल्प लेना है कि अपनी बहनों के रक्षक आप बनें। पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने रक्षाबंधन पर आयोजित कार्यक्रम में बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी बहुत सारी बहनें कमजोर है। हर दृष्टि से कमजोर है। आज का दिन वचन का दिन है। मैंने तो अपना वचन पूरे प्रदेश और आपको दिया है। मेरी प्राथमिकता बहनों की सुरक्षा है। आप बहनों की मजबूती बनें। जब तक बहनों में नई जागरूकता नहीं आ जाती। मुझे आज भी 45 साल पहले का वह दिन याद है, जब हम किसी गांव में सभा में जाते थे। तब वहां काई महिला नहीं होती थी।

दिल्ली में कांग्रेस को मजबूती देंगे लवली, संभालेंगे प्रदेश की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अरविंदर सिंह लवली को प्रदेश कांग्रेस की कमान देकर आलाकमान ने एक तीर में कई निशाना साधने की कोशिश की है। लवली के सहारे दिल्ली के साथ कांग्रेस की नजर पंजाब के सिख समुदाय पर भी है। वहीं, दिल्ली में लवली के अनुभव का फायदा कांग्रेस को मिलेगा। साथ ही गुटबाजी भी खत्म हो सकती है। हालांकि, 2017 में कुछ वक्त के लिए भाजपा में जाना कांग्रेस को मजबूत करने की इनकी कोशिशों में मुश्किल भी पैदा कर सकता है।

84 के सिख विरोधी दंगों का दाग लगने के बावजूद कांग्रेस की दिल्ली के साथ-साथ पंजाब में भी सिख समुदाय में अच्छी खासी पैठ थी। वह दिल्ली के सिख बहुल इलाकों में लोकसभा, विधानसभा व एमसीडी चुनाव में जीतती रही थी। मगर आम आदमी पार्टी के अस्तित्व में आने के बाद पार्टी लगातार कमजोर होती गई। कांग्रेस आलाकमान ने इन सभी प्रकरण को देखते हुए सिख समुदाय को साधने के लिए अरविंदर सिंह लवली पर दावं लगाया है। वह पूर्वी दिल्ली इलाके से आते है और पूर्वी दिल्ली में भी अच्छी खासी तादाद में सिख समुदाय के लोग रहते है।

अखिलेश पीएम पद की दौड़ में नहीं

» रामगोपाल बोले-सब जानते हैं क्यों गठबंधन से दूर हैं मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेताओं के द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पीएम कैंडिडेट बनाने की मांग रख दी इस पर सांसद रामगोपाल यादव ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में विपक्षी दलों की इंडिया अलायंस की बैठक से पहले सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने अखिलेश यादव के पीएम पद की रेस में शामिल नहीं होने का दावा किया है।

यूपी के पूर्व सीएम को देश के प्रधानमंत्री पद का कैंडिडेट बनाए जाने की मांग सपा के नेताओं की तरफ से उठती रही है। हाल ही में प्रवक्ता जूही सिंह ने भी ऐसी मांग जाहिर की थी। अखिलेश के चाचा रामगोपाल यादव ने साफ कर दिया है कि विपक्षी गठबंधन के पीएम पद के लिए सपा की तरफ से दावेदारी नहीं है। इसके बाद से अखिलेश को लेकर लग रहीं अटकलों को विराम मिलता नजर आ रहा है। यादव ने इसके अलावा यह भी कहा कि मायावती क्यों गठबंधन में साथ नहीं हैं, यह तो स्पष्ट है। मीडिया इसके बार में खुद सोचे।

पीएम पद के उम्मीदवार के लिए वो पूरी तरह से योग्य : जूही सिंह

समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाए। उनमें इस पद के लिए योग्यता है और यह आईएनडीआईए गठबंधन के लिए अच्छा होगा। मुंबई में हो रही बैठक से पहले जूही सिंह के इस बयान को अहम माना जा रहा है। अखिलेश यादव ने जूही सिंह को यूपी में महिला सभा की जिम्मेदारी के साथ-साथ क्षत्रिय समाज से जोड़ने की जिम्मेदारी भी दी है। जूही सिंह ने कहा कि इंडिया मजबूत गठबंधन है और हर निर्णय सहमति से लिया जाएगा। हर दल का सदस्य अपने नेतृत्व को शीर्ष पर देखना चाहता है। साथ ही यह भी कहा कि हम चुनाव जनता के मुद्दों पर और संविधान बचाने के लिए लड़ रहे हैं, पद के लिए नहीं।

दिग्विजय वरिष्ठ हो गए हैं अब गंभीर बने

» विजयवर्गीय बोले-वोट की राजनीति को लेकर समाज में अलगाववाद पैदा करना अक्षम्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्व सीएम पर बीजेपी का हमला

धार। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के जैन मंदिर, बजरंग दल और हिंदू समाज को लेकर किए गए ट्वीट पर सियासत गर्मा गई है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने उन पर जमकर निशाना साधा है। विजयवर्गीय ने राजनीति में उनकी वरिष्ठता पर भी सवाल उठाते इस कार्य को अक्षम्य अपराध बताया और गंभीर आरोप लगाए।

बता दें कि गुरुवार को कैलाश विजयवर्गीय विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश संगठन द्वारा आयोजित जन आशीर्वाद यात्रा की तैयारी को लेकर बैठक में भाग लेने धार जिले के कुक्षी पहुंचे थे। यहां पर पार्टी कार्यकर्ताओं से चर्चा के बाद उन्होंने पत्रकारों से चर्चा में दिग्विजय सिंह के ट्वीट पर कहा कि जो व्यक्ति 10 सालों तक मुख्यमंत्री रहा हो उसमें अगर गंभीरता नहीं है तो यह प्रश्नवाचक चिन्ह है। जब वरिष्ठ व्यक्ति हो जाते हैं तो उनका काम है कि सामाजिक समरसता का ताना-बाना मजबूत करना। वह वोट की राजनीति को लेकर समाज में भ्रम और अलगाववाद पैदा कर रहे हैं यह अक्षम्य अपराध है। विजयवर्गीय ने कहा कि उन पर अभी तो एफआईआर हुई है, पर भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति नहीं करना चाहिए, अन्यथा जनता कांग्रेस की पूरे प्रदेश में जमानत जब्त कर देगी।

वे अपने गिरेबा में झांकें फिर हम पर आरोप लगाएं : भाजपा महासचिव

भाजपा महासचिव ने कहा कि इस बार कांग्रेस को जनता सबक सिखाएगी। कांग्रेस की कौन सी योजना है, दिग्विजय सिंह 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे उन्हें याद नहीं आया। आज गरीबों को मिल रहे घर, मुफ्त अनाज, बिजली, आदिवासी बच्चों को शिक्षा सुविधा, देश सहित विदेशी में निशुल्क पढ़ाई व्यवस्था जो भाजपा कर रही कांग्रेस ने कभी किया है यह। पहले वे अपने गिरेबा में झांकें उसके बाद हम पर आरोप लगाएं। विजयवर्गीय के साथ कुक्षी से भाजपा के विधानसभा प्रत्याशी जयदीप सिंह पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष मनोज सोमानी, पूर्व सांसद सावित्री ठाकुर, पूर्व जिला अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय भाजपाई कार्यकर्ता नेता मौजूद रहे।

घोसी उपचुनाव : दिखाएगी लोस चुनाव-24 की तस्वीर

» सपा-भाजपा में कांटे का मुकाबला

» आई.एन.डी.आई.ए व एनडीए का भविष्य भी तय होगा

» अखिलेश संभाला मोर्चा, बीजेपी के दिग्गज नेता जुटे अखिलेश ने संभाली प्रचार की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में होने वाले घोसी उपचुनाव आगामी 2024 लोकसभा चुनाव की तस्वीर भी बयां कर देंगे। हालांकि यह बहुत छोटे क्षेत्र का चुनाव है परंतु इस चुनाव से ये तो आभास हो ही जाएगा कि यूपी की जनता का मन क्या है। इस चुनाव में जहां भाजपा व उसके गठबंधन एनडीए का भविष्य पता चलेगा वहीं सपा नेता व पूर्व सीएम अखिलेश यादव व इंडिया गठबंधन की ताकत का भी पता चलेगा। इस उपचुनाव को दोनों ही दल प्रतिष्ठा का सवाल बनाकर लड़ रहे है। इस चुनाव में जहां बीजेपी अपने-अपने दिग्गज नेताओं को उतार रही है तो इंडिया की तरफ अखिलेश ने मोर्चा संभाला हुआ है।

मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट पर हो रहा उप चुनाव महज भाजपा और सपा के बीच की लड़ाई नहीं हैं। लोकसभा चुनाव-2024 से पहले हो रहा उप चुनाव अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) बनाम इंडिया (आई.एन.डी.आई.ए) हो गया है। चुनाव के नतीजे जिस के पक्ष में आएंगे, उसका पूर्वांचल में लोकसभा चुनाव तक असर रहेगा। यदि भाजपा प्रत्याशी को जीत मिली तो न केवल सपा के हाथ से एक सीट छिनेगी, बल्कि पूर्वांचल में लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए को बड़ा मनोवैज्ञानिक लाभ होगा। नतीजा सपा के पक्ष में आया तो यूपी में इंडिया को मजबूती मिलेगी। उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान के समर्थन में एनडीए के अपना दल (एस), सुभासपा, निषाद पार्टी पूरी ताकत से डटे हैं। वहीं सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह को भी कांग्रेस और रालोद ने समर्थन दिया है। चुनावी माहौल से साफ नजर आ रहा है कि चुनाव दो प्रत्याशियों में नहीं, बल्कि दो गठबंधन के बीच है। 4.36 लाख मतदाताओं के जातीय समीकरण ने मुकाबले को कांटे का बना रखा है। भाजपा प्रत्याशी के लिए पूरी योगी सरकार, भाजपा और आरएसएस के वैचारिक संगठन मैदान में डटे हैं। मुख्यमंत्री भी प्रतिदिन वहां की रिपोर्ट ले रहे हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सभा कर चुके हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी वहां डटे हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में घोसी से दारा सिंह ने सपा प्रत्याशी के रूप में जीत हासिल की थी। उपचुनाव में सपा को अब ये साबित करना है कि, यह सीट उसकी है, न कि दारा सिंह की। इस उपचुनाव की अहमियत का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि आजमगढ़ और रामपुर उपचुनाव में प्रचार से दूर रहे सपा मुखिया अखिलेश यादव मंगलवार को घोसी में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। यूपी में सपा की 'इंडिया' में मजबूत स्थिति के लिए भी घोसी उप चुनाव जीतना सपा के लिए महत्वपूर्ण है।

बसपा के मतदाताओं पर है नजर

उप चुनाव में बसपा ने प्रत्याशी नहीं उतारा है, न ही किसी भी दल को समर्थन की घोषणा की है। बीते तीन चुनाव के नतीजे बताते हैं कि करीब 90 हजार से अधिक दलित मतदाताओं वाली सीट पर बसपा की पकड़ अब भी मजबूत है। 2022 में यहां बसपा के वसीम इकबाल को 54,248 मत, 2019 के उपचुनाव में बसपा के अब्दुल कय्यूम अंसारी 50,775 वोट और 2017 में बसपा के अब्बास अंसारी 81,295 मत मिले थे।

बीजेपी की फिर सरकार बनी तो हम और आप आगे वोट नहीं डाल पाएंगे: अखिलेश

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आशंका प्रकट की कि अगर 2024 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की वापसी होती है तो हो सकता है कि हम और आप भविष्य में कभी वोट न डाल पाएं। उन्होंने सपा को समर्थन देने वाले कांग्रेस, वामदलों के नेताओं के अलावा सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के महेंद्र राजभर के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि ''इनका दल (महेन्द्र राजभर) चुनाव लडना चाहता था, लेकिन इनके दल के प्रत्याशी को चुनाव लड़ने नहीं दिया। उनका पर्चा भी नहीं भरने दिया।'' यादव ने आरोप लगाया कि ''यह भाजपा का नया तरीका है। लोकतंत्र में भाजपा ने नया तरीका अपनाया है कि लोगों को चुनाव मत लड़ने दो।'' यादव ने आशंका प्रकट करते हुए कहा कि याद रखना, अभी तो ये इन्हें रोक रहे हैं, अगर ये (भाजपा) 2024 में सरकार बना ले गये तो हो सकता है कि हम और आप भी भविष्य में कभी वोट न डाल पाएं। गौरतलब है कि घोसी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए 18 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच में कमियां पाये जाने के बाद छह उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों को निरस्त कर दिया गया था। घोसी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया था कि घोसी में होने वाले उप चुनाव के लिए कुल दाखिल 17 नामांकन पत्रों की जांच की गई। जांच के दौरान छह नामांकन पत्रों में विभिन्न कमियां पाए जाने के कारण उन्हें निरस्त किया गया। जिन नामांकन पत्रों को निरस-?त किया गया, उनमें सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के उम्मीदवार अरविंद कुमार राजभर का भी नामांकन पत्र शामिल था।

राजभर का साथ छोड़कर सक्रिय हैं महेंद्र

सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी का गठन हाल में पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर की अगुवाई वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) से विद्रोह करने वाले महेन्द्र राजभर समेत कई नेताओं ने मिलकर किया है। ओमप्रकाश राजभर 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़े और राज्य की 403 सदस्यीय विधानसभा में छह सीटों पर जीत हासिल की। इस समय वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में हैं और उन्होंने घोसी विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार दारा सिंह चौहान को समर्थन दिया है। घोसी विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान पांच सितंबर को जबकि वोटों की गिनती आठ सितंबर को होनी है। घोसी सीट 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान सपा के टिकट से विजयी हुए दारा सिंह चौहान के पिछले महीने भाजपा में आ गए।

सपा प्रत्याशी की कमजोरी : भाजपा की ओर से दलितों के बीच सपा प्रत्याशी पर दो दलितों की हत्या के आरोप को भुनाना। सुभासपा का भाजपा से गठबंधन होना, दलित वोट बैंक में सपा की पकड़ अपेक्षित कमजोर होना।

भाजपा प्रत्याशी की ताकत : योगी सरकार और सत्तारूढ़ दल का पूरे दमखम से चुनाव में जुटना। उप चुनाव से पहले सुभासपा और निषाद पार्टी से भाजपा का गठबंधन।

भाजपा प्रत्याशी की कमजोरी : दारा सिंह चौहान का घोसी से बाहर का होना। साढ़े छह साल में घोसी में चौथे विधानसभा चुनाव से राजनीतिक अस्थिरता से जनता में अंदरूनी नाराजगी।

हार-जीत पर टिका दारा सिंह का राजनीतिक भविष्य

घोसी विधानसभा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान का राजनीतिक भविष्य भी दांव पर लगा है। उन्होंने सपा के घोसी विधायक पद से इस्तीफा देकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। चर्चा थी कि वह चुनाव से पहले मंत्री बनाए जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दारा सिंह यदि चुनाव जीत गए तो एक बार फिर मंत्री बन जाएंगे। लेकिन, यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनका राजनीतिक भविष्य अधर में फंस सकता है। दारा सिंह ने 2022 में 1,08,430 मत प्राप्त किए थे। भाजपा संगठन व सरकार का पूरा समर्थन पाने के बावजूद 2022 का प्रदर्शन कायम रखना ही उनकी सबसे बड़ी चुनौती है। प्रत्याशी सुधाकर सिंह का स्थानीय होना, सपा को कांग्रेस, रालोद का समर्थन मिलना। 90 हजार से अधिक मुस्लिम, 45 हजार से अधिक यादव और 15 हजार से अधिक ठाकुर मतदाता।

चुनावी बैठक से पहले नेताओं में जुबानी वार

» एनडीए व आईएनडीआईए आमने-सामने

» राजद व आप भी मैदान में

» सपा-भाजपा ने कहा फैसले लेने के लिए सभी स्वतंत्र

» इंडिया गठबंधन ने बसपा को नहीं दिया प्रार्थनापत्र : राजूपत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई में होने वाले इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले भाजपा, विपक्ष में वार पलटवार शुरू हो गया। जहां भाजपा ने आप को घेरा है वहीं बसपा प्रमुख्स मायावती द्वारा किसी भी गठबंधन में न जाने की बात कहने पर कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने उन्हें दौलत की बेटी कहकर उनकी आलोचना की तो उन्हीं की पार्टी के नेताओं ने उनकी खिंचाई भी की । वहीं राजद में सांसद मनोज झा को दिल्ली विश्वविद्यालय में लेक्चर देने से रोक दिया गया है। इस पर कड़ी आपत्ति जताते इसे मोदी सरकार की तानाशाही बताते हुए कहा गया है कि मुंबई में होने वाली बैठक से भाजपा घबरा गई है और विपक्ष को डराना चाह रही है।

मायावती के बयान पर जहां तक समाजवादी पार्टी और भाजपा की प्रतिक्रिया की बात है तो आपको बता दें कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा है कि उन्हें पहले से पता था कि ऐसा ही होगा क्योंकि इसके संकेत काफी समय से मिल रहे थे। अखिलेश ने कहा कि आप मायावती के ट्वीट देखा करिये आपको सब पता चल जायेगा। वहीं भाजपा के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा है कि मायावती एक सुलझी हुई और अनुभवी राजनेता हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने जो भी फैसला किया है वह अपनी पार्टी के हित को देखते हुए किया होगा। बाजपेयी ने कहा कि किससे गठबंधन करना है और गठबंधन करना भी है या नहीं करना है, इसका फैसला लेने का मायावती को अधिकार है।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने राजस्थान और मध्य प्रदेश समेत चार राज्यों के आगामी विधानसभा चुनाव और अगला लोकसभा चुनाव अपने बलबूते लड़ने का ऐलान किया तो कांग्रेस उन पर बरस पड़ी। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि इंडिया गठबंधन ने या कांग्रेस ने मायावती जी को कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया जो वो बार बार कह रही हैं कि वो शामिल नहीं होंगी। उन्होंने मायावती पर हमला करते हुए कहा कि मायावती दलित नहीं बल्कि दौलत की बेटी हैं। उन्होंने कहा कि मायावती के ये बयान दौलत वालों का और आरक्षण के विरोधियों को लाभ पहुँचा रहे हैं।

दौलत की बेटी कहना पूरे दलित समाज का अपमान : कृष्णन

वहीं दूसरी ओर मायावती की आलोचना को लेकर कांग्रेस में ही अंतर्विरोध तब देखने को मिला जब पार्टी नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत के बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें रक्षा बंधन के दिन बहिन जी पर इतना बड़ा हमला नहीं करना चाहिये था। प्रमोद कृष्णम ने कहा कि बहन मायावती जी को दलित की बेटी की जगह दौलत की बेटी कहना पूरे दलित समाज को अपमानित करने जैसा है। देखा जाये तो आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मायावती का बचाव करके एकदम सही किया है क्योंकि यह रवैया ठीक नहीं है कि कोई दल आपके साथ नहीं आये तो आप उसे गाली देने लग जायें। जहां तक मायावती के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर किए गए सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, एनडीए गठबंधन और इण्डिया (विपक्षी दलों का गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) गठबंधन अधिकतर गरीब-विरोधी जातिवादी, साम्प्रदायिक, धन्नासेठ-समर्थक व पूंजीवादी नीतियों वाली पार्टियाँ हैं जिनकी नीतियों के विरुद्ध बसपा अनवरत संघर्षरत है और इसीलिए इनसे गठबंधन करके चुनाव लड़ने का सवाल ही पैदा नहीं होता। अतः मीडिया से अपील-नो फेक न्यूज प्लीज़।

लेक्चर रद होने से भड़के राजद नेता मनोज झा

राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने आरोप लगाया कि उनका नियोजित व्याख्यान दिल्ली विश्वविद्यालय ने रद्द कर दिया है और मामले की जांच की मांग की है। राज्यसभा में अपने जोरदार भाषणों के लिए जाने जाने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मनोज झा ने कहा कि उन्हें 18 अगस्त को डीयू के सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन से 4 सितंबर को कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों को वस्तुतः संबोधित करने के लिए निमंत्रण मिला था। सीपीडीएचई निदेशक गीता सिंह द्वारा जारी पत्र के अनुसार, झा से सामाजिक कार्य और सामाजिक विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति बनने का अनुरोध किया गया था। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने उनका लेक्चर रद्द होने पर राज्यसभा सांसद और राजद नेता मनोज झा ने कहा कि मैं उस यूनिवर्सिटी का प्रोफेसर हूं। मुझे 18 अगस्त को एक पत्र मिला कि 4 सितम्बर को लेक्चर है।

जेल जाने के डर से घबराए हुए हैं केजरीवाल : भाटिया

भाजपा ने एक बार फिर से दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ओर उसके मुखिया अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि केजरीवाल और उनकी पार्टी कट्टर बेइमान है। उन्होंने कहा कि आम संजय सिंह ने जो बातें कहीं उससे प्रतीत हुआ कि अरविंद केजरीवाल घबराए हुए कह रहे हैं कि मुझे बचा लो संजय, मुझे जेल नहीं जाना है। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी, 2023 को मनीष सिसोदिया गिरफ्तार होते हैं और दो दिन में ही सर्वोच्च न्यायालय पहुंच जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय जाकर वह कहते हैं कि ये सारे आरोप राजनीतिक द्वेष के कारण लगाए गए हैं, इन्हें निरस्त कीजिए, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि नहीं हम नहीं करेंगे। 'आप' के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय पिछले एक साल से 'तथाकथित' आबकारी नीति घोटाले की जांच कर रहा है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कहां है कानून का राज वकील ही नहीं सुरक्षित

> दरअसल उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में अदालत परिसर में एक वकील की अज्ञात हमलावरों ने उसके चैंबर में गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोनू चौधरी के रूप में हुई है, जिसे बदमाशों ने उस समय गोली मार दी जब वह अपने चैंबर में खाना खा रहा था। घटना गाजियाबाद के सिहानीगेट इलाके की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश जारी है।

आखिर यूपी में कानून का राज की बात करने वालों को कानून का झंडा ऊंचा रखने वाले वकीलों के साथ हो रहे अत्याचार क्यों नहीं दिखते। दो दिन के अंदर दो घटनाएं काफी हैं जो यह बयां करते है प्रदेश में वकीलों के साथ क्या हो रहा है। पहली घटना हापुड़ की जहां पुलिस वालों ने लाठीचार्ज किया जिसके विरोध में बुधवार को अधिवक्ताओं ने पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी घटना गाजियाबाद में हुई जहां अदालत परिसर में ही एक वकील को गोली मारी गई जिसमें उसकी मौत हो गई। नीति नियंताओं को अब सोचना होगा कि इस तरह की वारदात की वजह से लोग कानून व्यवस्था पर उंगली तो उठाएंगे ही। दरअसल उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में अदालत परिसर में एक वकील की अज्ञात हमलावरों ने उसके चैंबर में गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोनू चौधरी के रूप में हुई है, जिसे बदमाशों ने उस समय गोली मार दी जब वह अपने चैंबर में खाना खा रहा था। घटना गाजियाबाद के सिहानीगेट इलाके की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश जारी है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दिनेश कुमार पी, डीसीपी नगर निपुण अग्रवाल फिलहाल घटना स्थल पर मौजूद हैं। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, वकील मनोज उर्फ मोनू चौधरी दोपहर का खाना खा रहे थे, तभी दो हमलावर चैंबर 95 में घुसे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। घटना के बाद पूरी तहसील में हंगामा मच गया। गौरतलब है कि चौधरी इससे पहले तहसील बार एसोसिएशन का चुनाव भी लड़ चुके हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच कर रही है। बदमाशों ने चैंबर में घुसकर मोनू चौधरी नाम के वकील को गोली मार दी, जिससे वकील की मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। हापुड़ में पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगा मंगलवार को चक्का जाम कर रहे अधिवक्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज में दर्जनों अधिवक्ता घायल हो गए। घटना की सूचना के बाद मेरठ में भी वकील एकत्र होकर प्रदर्शन करने लगे। मेरठ बार एसोसिएशन व जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व महामंत्री ने प्रदर्शन में पहुंचकर पुलिस द्वारा की गई लाठी चार्ज की निंदा की। हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज की घटना की जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इसके अध्यक्ष कमिश्नर मेरठ होंगे। इस तीन सदस्यीय कमेटी में आईजी मेरठ और डीआईजी मुरादाबाद शामिल हैं। कमेटी एक सप्ताह में मामले की जांच कर सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी। लाठीचार्ज के विरोध में वकीलों ने बुधवार को कार्य बहिष्कार किया और प्रदेश के अलग-अलग शहरों में विरोध प्रदर्शन किया।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनतंत्र की सेहत हेतु हो सकारात्मक राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

वर्ष 1952 में देश में पहला आम चुनाव हुआ था। इसके बाद चार-पांच चुनाव तो 5 साल के निर्धारित अंतराल पर हुए और चुनाव-प्रचार का काम भी इसी के अनुसार हुआ, पर इसके बाद सिलसिला बिगड़ने लगा। राज्यों में अलग-अलग समय पर चुनाव होने लगे, प्रचार-कार्य भी उसी के अनुसार हुआ, और अब तो स्थिति यह बन गयी है कि देश की समूची राजनीति चुनाव-केंद्रित ही नहीं हो गयी है, बल्कि राजनीतिक दलों के नेताओं के सारे भाषण चुनावी लगने लगे हैं। संसद के हाल के सत्र में प्रधानमंत्री का लगभग दो घंटे का भाषण और लगभग इतने ही समय का स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से दिया गया उनका राष्ट्र के नाम संदेश कुल मिलाकर चुनावी-भाषण ही बनकर रह गये थे।

संसद का भाषण विपक्ष द्वारा रखे गए अविश्वास प्रस्ताव के जवाब में दिया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा अपनी सरकार का बचाव करना स्वाभाविक था। पर बचाव के साथ विपक्ष पर जो हमले किये गये, उन्होंने पूरे भाषण को चुनावी बना दिया था। यह अविश्वास प्रस्ताव मुख्यतः मणिपुर की त्रासदी के संदर्भ में रखा गया था और प्रधानमंत्री की इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ने के लिए विपक्ष को यही एक तरीका सूझा था। प्रधानमंत्री बोले तो सही पर लगभग दो घंटे के लंबे भाषण के अंत में ही कुछ मिनट मणिपुर के मुद्दे तक पहुंचने में उन्होंने इतना समय लगाया कि विपक्ष निराश होकर सदन से बाहर जा चुका था। बेहतर होता कि विपक्ष यह बहिर्गमन नहीं करता। बहरहाल, इसके कुछ ही दिन बाद स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण की शुरुआत मणिपुर की त्रासदी से करके प्रधानमंत्री ने जैसे कोई गलती सुधारने की कोशिश की थी। पर यह अवसर राष्ट्र के नाम संदेश देने का था। प्रधानमंत्री के लिए भी यह बेहतर होता यदि वे अपने इस भाषण को चुनावी-भाषण न बनने देते। चुनाव जनतंत्र का उत्सव होते हैं। इस उत्सव की गरिमा बनी रहनी चाहिए। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों को एक-दूसरे की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, और जरूरी भी है यह आलोचना, पर दुर्भाग्य की बात यह है कि पिछले एक अर्से से, कहना चाहिए, पिछले कुछ चुनाव से यह आलोचना कई बार मर्यादाएं लांघ जाती है।

विरोधियों की रीति-नीति पर हमला करना कतई ग़लत नहीं है, और अपना बचाव करना भी उतना ही सही है, लेकिन विरोधी पूरा गलत है और मैं पूरा सही हूं, वाली यह रणनीति सहज गले नहीं उतरती। आत्मविश्वास और आत्मश्लाघा में एक अंतर हुआ करता है, बड़े नेताओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इनके बीच की सीमा-रेखा का ध्यान रखेंगे। बहरहाल, प्रधानमंत्री के इन दो भाषणों ने 2024 में होने वाले आम चुनाव की राजनीति-रूपरेखा देश के सामने रख दी है। विपक्ष ने इन भाषणों में 'दंभ' देखा है और राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसे 'अतिविश्वास' कहा है। ये दोनों बातें देश की मौजूदा राजनीति के स्तर का संकेत देने वाली हैं। ऐसा नहीं है कि सत्तारूढ़ पक्ष ही इस घटते स्तर के लिए जिम्मेदार है, अक्सर विपक्ष भी मर्यादा का उल्लंघन कर जाता है, लेकिन सत्तारूढ़ दल का दायित्व अधिक होता है। जनतांत्रिक परंपराओं और मर्यादाओं का तकाजा है कि राजनीति छिछली आलोचनाओं से ऊपर उठकर हो। एक वाक्य हमारे राजनेता अक्सर कहते हैं 'मैं पूरी ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ यह कहना चाहता हूं' और फिर इसके आगे जो कुछ कहा जाता है वह अक्सर खोखले वादों और झूठे दावों का उदाहरण होता है। चुनावी भाषण तो अक्सर ऐसे होते हैं, पर हर भाषण को चुनावी बना देना भी तो सही नहीं है। नेताओं को, खासतौर पर सत्तारूढ़ पक्ष के राजनेताओं को अधिक संयम बरतने की आवश्यकता होती है। इसी साल मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। फिर उसके कुछ अर्सा बाद ही 2024 में आम-चुनाव होंगे। जैसा कि स्पष्ट दिख रहा है, इनके लिए प्रचार-कार्य शुरू हो चुका है। संबंधित सरकारें अपनी उपलब्धियों के ढिंढोरे पीट रही हैं। मीडिया में विज्ञापन पर अंधाधुंध खर्च हो रहा है। 'रेवड़ियां' बांटने में कोई पीछे नहीं रहना चाह रहा। दावों और वादों के ढेर लग रहे हैं। आधारहीन गारंटियां दी जा रही हैं।

ज्यों-ज्यों चुनाव नजदीक आते जायेंगे, इन कथित गारंटियों की गति भी तेज होती जायेगी। एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी और तेज़ी से लगेंगे। इन सबसे क्या और कितना चुनावी लाभ होता है, यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर इतना तय है कि प्रचार का स्तर पिछले चुनावों से और अधिक नीचे ही जायेगा। एक बात जो हमारे राजनेताओं और राजनीतिक दलों को समझनी होगी, वह यह है कि मतदाता को हमेशा नहीं बरगलाया जा सकता। 'यह पब्लिक है सब जानती है'।

बाघों के संरक्षण पर गहराते सवाल वन्यजीव

ज्ञानेन्द्र रावत

राष्ट्रीय पशु बाघ के संरक्षण पर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं। वह चाहे उसके शिकार का सवाल हो, शिकारियों पर अंकुश का सवाल हो, वन्य जीवों के अंगों की तस्करी करने वाले माफिया से अधिकारियों की मिलीभगत का सवाल हो, उनकी संख्या का सवाल हो, उनकी मौत के आंकड़ों का सवाल हो, उनके संरक्षण का हो या उसमें प्रबंधन में नाकामी का सवाल हो, यह कोई नयी बात नहीं है। अभी हाल-फिलहाल जो बात खुलकर सामने आयी है वह यह कि बाघों की जान को बाहरियों के मुकाबले अपनों से ज्यादा खतरा है। सबसे बड़ी बात यह कि इसका खुलासा खुद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण यानी एनटीसीए ने बीते दस साल में मारे गये बाघों की मौत के मामले में विस्तृत अध्ययन के बाद किया है। एनटीसीए की रिपोर्ट की मानें तो पिछले दस सालों में तकरीबन 1105 बाघों की मौत हुई है। एनटीसीए के अनुसार उसने 2012 से 2022 तक मारे गये 1105 बाघों की पोस्टमार्टम व फॉरेंसिक रिपोर्ट की विस्तृत जांच की है लेकिन सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि उसमें से 27.97 फीसदी बाघों की मौत की पहेली अनसुलझी है।

इसका खुलासा कर पाना विशेषज्ञों के लिए आज भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। वे किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में नाकाम रहे हैं कि इन बाघों की मौत के पीछे वन्य जीव तस्कर या शिकारी हैं अथवा कोई और कारण है। इसकी जांच में विशेषज्ञ आज भी रात-दिन मेहनत कर शोध में लगे हुए हैं जबकि उन्होंने तकरीबन 72.03 फीसदी बाघों की मौत के कारणों का खुलासा कर अंतिम रिपोर्ट भी दे दी है। जहां तक इस साल में बीते आठ महीनों का सवाल है, इस दौरान एनटीसीए की मानें तो 125 बाघों की मौत हो चुकी है, उस स्थिति में जबकि अभी भी साल खत्म होने में चार महीने बाकी हैं। वहीं बीते साल 2022 के कुल बारह महीनों में 121 बाघों की मौत हुई थी। एनटीसीए के दावों को सही मानें तो इन बाघों की मौतों के पीछे जंगल में बाघों की बढ़ती तादाद और उनका दूसरे वन्यजीवों के साथ दिनोंदिन बढ़ता संघर्ष है।

इससे इस बात की पुष्टि होती है कि बाघों को बाहरी लोगों के मुकाबले अपनों से ज्यादा खतरा है। विशेषज्ञों का इस बारे में मानते हैं कि जिन बाघों की मौतों की जांच एनटीसीए ने अध्ययन के बाद बंद कर फाइनल रिपोर्ट लगा दी है उनमें 70 फीसदी से ज्यादातर बाघों की मौत आपसी संघर्ष और दूसरे वन्यजीवों के हमलों के कारण हुई है। वह बात दीगर है कि वन विभाग जंगल में हुई इन बाघों की मौतों को प्राकृतिक मौत करार देता है। उसके अनुसार इनमें बीमारी, बढ़ती उम्र यानी बूढ़ा हो जाना, आपसी संघर्ष व दूसरे वन्यजीवों के हमले अहम हैं। एनटीसीए का मानना है कि यह तब है जबकि बाघों के शिकार पर काफी हद तक वन अधिकारियों और पुलिस बल की चुस्ती और कड़ी मेहनत के बलबूते अंकुश पा लिया है। जहां तक अभयारण्यों का सवाल है, उत्तराखंड स्थित कार्बेट टाइगर रिजर्व बाघों के घनत्व के मामले में समूचे देश के टाइगर रिजर्व में शीर्ष पर है।

कुल 1288.31 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस टाइगर रिजर्व में तकरीबन 260 बाघ हैं। यहां भी पिछले चार सालों में 29 बाघ बढ़े हैं। साल 2014 में यह तादाद 215 थी। आंकड़ों के मुताबिक, साल 2018 के बाद यहां बाघों की संख्या 12.5 फीसदी बढ़ी। जबकि साल 2021 से पाखरो टाइगर सफारी को लेकर कार्बेट टाइगर रिजर्व लगातार चर्चा में रहा। टाइगर सफारी के लिए अनुमति से ज्यादा यहां पर बड़े पैमाने पर पेड़ों का कटान, बिना अनुमति कालागढ़ व पाखरो वन क्षेत्र में अवैध निर्माण का मामला काफी दिनों तक अखबारों की सुर्खियों में रहा। गौरतलब है कि प्रकरणों की काफी जद्दोजहद के बाद हुई जांच में इन मामलों की पुष्टि हुई थी। इसके बाद बाघों के वास स्थलों का भी मामला काफी चर्चित रहा। यहां इस तथ्य को भी नकारा नहीं जा सकता कि उत्तराखंड में 2018 की गणना में कुल मिलाकर 441 बाघ थे जो 2022 में बढ़कर आंकड़ा 560 के पार जा पहुंचा। राज्य में टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पेड़ों के अंधाधुंध अवैध कटान, वन विभाग की 2171 बीघा जमीन भूमाफिया और अधिकारी व वन विभाग की मिलीभगत के चलते बेच दिए जाने और वनक्षेत्र व रिजर्व में अवैध निर्माण के बावजूद जहां बाघों की तादाद में बढ़ोतरी महत्वपूर्ण उपलब्धि है, वहीं इस रिजर्व में चुनौतियां भी काफी बढ़ी हैं जिनसे पार पाना वन विभाग के लिए आसान नहीं है।

यह भी गौरतलब है कि बाघों की बढ़ती मौतों की असली वजह उनकी तेजी से बढ़ती तादाद और अपने क्षेत्र में दूसरे का प्रवेश बर्दाश्त न कर पाना तो है ही, आपसी संघर्ष भी है, इसमें बीमार, बूढ़े और अशक्त हो चुके बाघों पर अस्तित्व की खातिर युवा बाघों के हमले भी अहम हैं जिसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। एनटीसीए बाघों के शिकार पर लाख अंकुश का दावा करे देश में आये दिन बाघों की खाल, अंगों सहित वन्यजीव तस्करों की गिरफ्तारी, उनकी मौतों के बढ़ते आंकड़े सबूत हैं कि इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। केन्द्र सरकार द्वारा वन्य जीवों को बचाने की खातिर वन्य जीव संरक्षण संशोधन अधिनियम 2022 अधिनियमित किये जाने के फलस्वरूप पुराने कानूनों में बदलाव के सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। वहीं वन्यजीवों व वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन, साइट्स के तहत भारत पर दायित्वों को और प्रभावी बनाने का दबाव भी बढ़ा है।

साग-सब्जी में भरपूर मात्रा में होता है प्रोटीन-कैल्शियम

क्या आप बहुत ज्यादा दुबले-पतले हैं, तो वजन बढ़ाने के लिए अगर आप सोचते है कि चिकन, मटन और अंडे जैसी सिर्फ नॉन-वेज चीजों को खाने से मांसपेशियों में जान आती है और वजन बढ़ता है, तो आप गलत हैं। वास्तव में कुछ ऐसे वेज फूड्स भी हैं, जो शरीर को ताकतवर और ढांचे को मजबूत बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इससे वजन बढ़ता है।

नट्स और ड्राई फ्रूट्स

अपने खाने में कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर नट्स एंड ड्राई फ्रूट्स शामिल करें। मूंगफली, बादाम, काजू, अखरोट और पिस्ता जैसे नट्स का अधिक सेवन करें। इनकी एक सर्विंग (1 औंस) में लगभग 160 हाई क्वालिटी वाली कैलोरी होती है। यह प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट का बढ़िया स्रोत हैं।

क्रूसिफेरस सब्जियां और चिया सीड्स

क्रूसिफेरस सब्जियां खाने से आपको सही मात्रा में प्रोटीन मिल सकता है, खासकर ब्रोकोली खाने से आपको ज्यादा प्रोटीन मिलेगा। दो कप कच्ची ब्रोकोली में 5 ग्राम प्रोटीन होता है। आप इसे सलाद में शामिल करें या शाम को नाश्ते के रूप में खाएं। इनके अलावा हेल्दी फैट और ओमेगा 3 से भरपूर चिया सीड्स प्रोटीन और कैल्शियम का बढ़िया स्रोत हैं।

पत्तेदार साग और मटर की सब्जी

मटर, पालक, केल, ब्रोकोली सबसे अधिक प्रोटीन वाली सब्जियां हैं। केल, सरसों का साग, पालक, और इसी तरह की अन्य चीजें आपके प्रोटीन सेवन को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। दो कप केल में लगभग 4 ग्राम प्रोटीन होता है, सरसों के साग की समान मात्रा से 3 ग्राम और पालक से 2 ग्राम प्रोटीन मिलता है। अपने सुबह की स्मूदीज में में हरी पत्तेदार सब्जियाँ शामिल करें, दोपहर के भोजन में सलाद खाएं।

नॉन-डेयरी प्रोडक्ट्स

केवल एक कप कैल्शियम-फोर्टिफाइड भांग के दूध में लगभग 3 ग्राम प्रोटीन और आपकी रोजाना की कैल्शियम की जरूरत का 30 प्रतिशत पूरा करता है। अधिक प्रोटीन के लिए सोया दूध पियें। एक कप में 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

बीन्स

अगर आप नॉन वेज नहीं खाते हैं, तो आप प्लांट बेस्ड प्रोटीन वाले फूड्स का सेवन बढ़ा सकते हैं। ध्यान रहे कि कुछ फलियों में मांस के बाद सबसे ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है। इसके लिए आप ब्लैक, पिंटो, नेवी, किडनी बीन्स खा सकते हैं। सभी में औसतन लगभग 15 ग्राम प्रोटीन होता है। इसके अलावा बीन्स में फैट और फाइबर भी होते हैं।

दाल और छोले

मोटा और ताकतवर होने के लिए आपको दाल, मटर, चना, सोयाबीन आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें कम फैट होता है और कोई कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है। वेजिटेरियन लोगों के लिए यह प्रोटीन के सबसे बड़े स्रोतों में से हैं। पकी हुई दाल में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है।

हंसना मना है

टीचर- बताओ...सबसे चतुर प्राणी कौन सा है? गोलू- हिरण.. टीचर- कैसे? गोलू- सतयुग में प्रभु राम को फंसाया था और कलयुग में सलमान को...

पति- आज मैं बहुत टेंशन में हूं मूड खराब है और सिर भी दुख रहा है, पत्नी- अच्छा...! खैर, ये सब छोड़ो, देखो मेरा नया पर्स।

टीचर- भोलू तुम परिंदों के बारे में सब जानते हो? भोलू - जी हां...टीचर-जरा बताओ कौन-सा परिंदा उड़ नहीं सकता? भोलू - टीचर, वो मरा हुआ परिंदा!

एक दर्जी बस में चढ़ा। उसके पास फोन आया। उसने फोन उठाया और बोला... तू हाथ काटकर रख, गला मैं आकर काटूंगा। इतना सुनकर पूरी बस खाली हो गई।

लोगों की बातें कभी दिल पर नहीं लेनी चाहिए। लोग तो अमरूद खरीदते समय पूछते हैं...मीठे हैं ना? फिर बाद में नमक लगाकर खाते हैं।

भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो सेठ जी, सेठ - अभी खुल्ले नहीं हैं...कल ले लेना..! भिखारी - हमारे धंधे में उधार नहीं चलता सेठ जी, अभी दे दो...!!!

कहानी | अहंकार का त्याग ही तपस्या का मूलमंत्र है

एक साधु व एक डाकू एक ही दिन मरकर यमलोक पहुंचे धर्मराज उनके कर्मों का लेखा-जोखा खोलकर बैठे थे और उसके हिसाब से उनकी गति का हिसाब करने लगे। निर्णय करने से पहले धर्मराज ने दोनों से कहा- मैं अपना निर्णय तो सुनाउंगा लेकिन यदि तुम दोनों अपने बारे में कुछ कहना चाहते हो तो मैं अवसर देता हूं, कह सकते हो। डाकू ने हमेशा हिंसक कर्म ही किए थे उसे इसका पछतावा भी हो रहा था अत:अत्यंत विनम्र शब्दों में बोला महाराज- मैंने जीवन भर पापकर्म किए जिसने केवल पाप ही किया हो वह क्या आशा रखे आप जो दंड दें, मुझे स्वीकार है। डाकू के चुप होते ही साधु बोला महाराज- मैंने आजीवन तपस्या और भक्ति की है मैं कभी असत्य के मार्ग पर नहीं चला सदैव सत्कर्म ही किए इसलिए आप कृपा कर मेरे लिए स्वर्ग के सुख-साधनों का शीघ्र प्रबंध करें। धर्मराज ने दोनों की बात सुनी फिर डाकू से कहा- तुम्हें दंड दिया जाता है कि तुम आज से इस साधु की सेवा करो डाकू ने सिर झुकाकर आज्ञा स्वीकार कर ली। यमराज की यह आज्ञा सुनकर साधु ने आपत्ति जताते हुए कहा- महाराज! इस पापी के स्पर्श से मैं अपवित्र हो जाऊंगा मेरी तपस्या तथा भक्ति का पुण्य निरर्थक हो जाएगा मेरे पुण्य कर्मों का उचित सम्मान नहीं हो रहा है। धर्मराज को साधु की बात पर बड़ा क्षोभ हुआ वह क्षुब्ध होकर बोले- निरपराध व्यक्तियों को लूटने और हत्या करने वाला डाकू मर कर इतना विनम्र हो गया कि तुम्हारी सेवा करने को तैयार है। तुम वर्षों के तप के बाद भी अहंकार ग्रस्त ही रहे यह नहीं जान सके कि सब में एक ही आत्मतत्व समाया हुआ है तुम्हारी तपस्या अधूरी और निष्फल रही अत: आज से तुम इस डाकू की सेवा करो, और तप को पूर्ण करो। उसी तपस्या में फल है, जो अहंकार रहित होकर की जाए अहंकार का त्याग ही तपस्या का मूलमंत्र है और यही भविष्य में ईश्वर प्राप्ति का आधार बनता है झूठे दिखावे तप नहीं हैं, ऐसे लोगों की गति वही होगी जो साधु की हुई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ

रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

मिथुन

नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क

मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

सिंह

बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी।

कन्या

सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला

जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुम्भ

सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है।

मीन

व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें।

बॉलीवुड | मन की बात

दलित लेखिका याशिका दत्त हैं अवसरवादी : अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप उन निर्देशकों में से एक हैं जो अपनी फिल्मों में वास्तविकता का चित्रण करने के लिए जाने जाते हैं। अपनी पहली फिल्म ब्लैक फ्राइडे से लेकर कैनेडी तक में वह समाज की स्याह सच्चाइयों को बड़े पर्दे पर पेश करते रहे हैं। इस बीच अनुराग कश्यप ने मेड इन हेवन-2 निर्माताओं का बचाव करते हुए दलित लेखिका याशिका दत्त को अवसरवादी कहा है। तो चलिए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है। अनुराग कश्यप 'मेड इन हेवन-2' के निर्माताओं के बचाव में सामने आए हैं और लेखिका याशिका दत्त को उनके काम का इस्तेमाल करने या उन्हें उचित श्रेय नहीं देने के विवाद के बीच उन्हें अवसरवादी कहा है। अनुराग ने कहा कि वह जिन लोगों की परवाह करते हैं अगर उन पर कोई कटाक्ष या पर्सनल हमला करता है तो वह चुप नहीं बैठते हैं। अनुराग ने खुलासा किया कि उन्होंने नीरज घेवान की यात्रा देखी है। उन्होंने देखा है कि लोगों के सामने उन्हें अपनी राय रखने में कितना ज्यादा समय लगा है। याशिका के मकसद पर सवाल उठाते हुए अनुराग ने पूछा, 'क्या यह वाकई इतना बड़ा मुद्दा है? कि इसपर कोई भी बहस कर सकता है। अगर यह वाकई इतना बड़ा मुद्दा है तो आप उस दूसरे व्यक्ति पर हमला क्यों कर रही हैं। या फिर मुझे यह कहना चाहिए कि आप ऐसे ही किसी अवसर की तलाश में थीं, जिससे आप सामने वाले को नीचा दिखा सकें।' बता दें कि कुछ दिन पहले याशिका ने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट लिखी थी, जिसमें दावा किया गया था कि एपिसोड 5 में राधिका आप्टे का किरदार उनके जीवन पर आधारित था। हालांकि, 'मेड इन हेवन' टीम ने एक आधिकारिक बयान जारी किया और याशिका के दावों का खंडन किया था। इन सब के अलावा मेड इन हेवन 2 के मेकर्स पर फैशन डिजाइनर तरुण तहिलियानी भी आरोप लगा चुके हैं। तरुण ने दावा किया है कि बिना किसी क्रेडिट के एक एपिसोड में उनके डिजाइनों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। तरुण ने बकायदा पोस्ट कर मेकर्स के खिलाफ मोर्चा खोला था।

पुष्पा 2 की झलक के लिए बेताब फैंस

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन लंबे समय से अपनी अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2 : द रूल को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। हाल ही में अभिनेता को फिल्म पुष्पा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अल्लू अर्जुन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले पहले तेलुगु अभिनेता बन गए। एक्टर के फैंस उनकी आगामी फिल्म पुष्पा 2 का बेसब्री

बॉलीवुड | गपशप

से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच यह खबर है कि अल्लू अर्जुन की यह मचअवेटेड फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर की फिल्म की रिलीज डेट तय हो गई है।

रिपोर्ट्स में यह दावा किया कि अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा-2 22 मार्च, 2024 को रिलीज होगी। हालांकि, निर्माताओं की ओर से फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की शूटिंग कुछ हफ्तों के भीतर खत्म होने वाली है और फिल्म के मेकर्स पोस्ट-प्रोडक्शन शेड्यूल करने की योजना बना रहे हैं।

कुछ हफ्ते पहले पुष्पा-2 के निर्माताओं ने फिल्म से अल्लू अर्जुन का फर्स्ट-लुक जारी किया था। पोस्टर में अभिनेता को साड़ी पहने और दाहिने हाथ में बंदूक पकड़े हुए दिखाया गया था। इस पोस्टर ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। सुकुमार के निर्देशन में बन रही पुष्पा 2 : द रूल साल 2021 में आई उनकी फिल्म पुष्पा: द राइज का सीक्वल है। फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अपनी भूमिकाओं को दोहराते नजर आने वाले हैं। फिल्म ने दर्शकों के बीच भारी उत्साह पैदा कर दिया है।

22 मार्च, 2024 को रिलीज होगी फिल्म

अभिनेता ने फैंस का जताया आभार

इस बीच, हाल ही में, अल्लू अर्जुन ने 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में पुष्पा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, देश भर में अलग-अलग श्रेणियों और भाषाओं के सभी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को बहुत-बहुत बधाई। मैं देश के कोने-कोने से मिल रहे प्यार और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद।

जल्द ब्रेक खत्म कर वापसी करेंगे आमिर खान

जाने माने वकील उज्ज्वल निकम के जीवन पर आधारित होगी फिल्म

आमिर खान की फिल्मों को लेकर फैंस के बीच एक अलग ही क्रेज देखने को मिलता है। हालांकि, कुछ समय से उनकी फिल्में दर्शकों के दिलों तक नहीं पहुंच पा रही। पिछली फिल्म लाल सिंह चड्ढा फ्लॉप होने के बाद आमिर ने भी इंडस्ट्री से ब्रेक का ऐलान कर दिया था। वहीं, अब खबर आई है कि एक्टर का ये ब्रेक जल्द ही खत्म होने जा रहा है। इसी के साथ उनकी अगली फिल्म को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आया है।

हाल ही में खबर आई है कि आमिर ने अपनी अगली फिल्म के लिए रिलीज डेट भी लॉक कर दी है। इस फिल्म को आमिर के ही बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म समीक्षक और बिजनेस विशेषज्ञ तरण आदर्श ने आमिर की फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए ट्वीट किया है। खबरों की माने तो ये फिल्म जाने माने वकील उज्जवल निकम की जिंदगी पर आधारित होगी।

तरण आदर्श ने दावा किया है कि इस फिल्म को आमिर के प्रोडक्शन हाउस में बनाया जा रहा है। अगर ऐसा होता है तो यह आमिर के बैनर की 16वीं फिल्म होगी। मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि फिल्म के प्रीप्रोडक्शन पर काम भी शुरू हो गया है। 20 जनवरी, 2024 तक फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी जाएगी। वहीं, फिल्म का टाइटल फिलहाल तय नहीं हो पाया है। दूसरी ओर फिल्म में कौन-कौन से कलाकार नजर आएंगे, इसका खुलासा भी वक्त के साथ ही होगा।

2024 में रिलीज हो सकती है आमिर की फिल्म

रिपोर्ट्स हैं कि आमिर की ये फिल्म 2024 के क्रिसमस पर रिलीज हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो आमिर का क्लैश अक्षय कुमार से होने वाला है। क्योंकि अक्षय की वेलकम टू द जंगल भी 2024 के क्रिसमस पर ही रिलीज होगी। यह वेलकम सीरीज की तीसरी कड़ी होगी।

अजब-गजब | रूस के मिर्नी नाम के गांव में है रहस्यमयी गड्ढा

वो गड्ढा जो निगल लेता है उड़ते हुए हेलीकॉप्टर्स!

दुनिया में ऐसी तमाम जगहें हैं, जिनके साथ अजीब किस्म की मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। आप इनके बारे में सुनकर आश्चर्य से भर जाते हैं। कहीं भौगोलिक तौर पर कुछ अलग होता है तो कहीं प्राकृतिक तौर पर कुछ ऐसा देखने को मिल जाता है कि लोग हैरान रह जाएं। ऐसी ही एक जगह रूस में भी है, जहां एक विशाल गड्ढा बना हुआ है। इस गड्ढे की खासियत ये है कि यहां आकर हेलीकॉप्टर्स कभी वापस नहीं लौट पाए।

ये गड्ढा रूस के मिर्नी नाम के गांव में बना हुआ है। एक अनुमान के तौर पर गड्ढा 280 मील के एरिया में फैला हुआ है। ये एक ओपन पिन माइन है, जहां से हीरे खोदकर निकाले जाते हैं। गड्ढा 3900 फीट व्यास का है और इसकी गहराई 1722 फीट है। गड्ढे से जुड़ी हुई ऐसी तमाम घटनाएं हैं, जिन्होंने इसे 20 साल पहले बंद करने पर मजबूर कर दिया।

हेलीकॉप्टर्स को निगल जाता है गड्ढा

सालों बंद रही इस खान में छोटे-मोटे एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर्स अंदर की तरफ खिंच जाते थे। खान 1000 फीट से नीचे उड़ती चीज़ अपनी ओर निगल लेती थी, इसलिए यहां एयरस्पेस को बंद कर दिया गया। कहते है कि ठंडी हवा के गर्म हवा से मिलने की वजह से जो आकर्षण बनता है, उससे कई चीजें अंदर ही खिंचकर गुम हो जाती हैं. साल 2017 में यहां भीषण बाढ़ आई थी. कहा जाता है कि इसके पीछे भी इसी रहस्यमय आकर्षण का हाथ था. हालांकि एक बार फिर साल 2030 में इसे खोले जाने की बात चल रही है और माइनिंग कंपनी एलरोसा यहां माइनिंग का काम करेगी.

बिहार के इस गांव में नहीं पालते हैं बकरी, जानकर रह जाएंगे दंग

नालंदा का एक अजब-गजब गांव जहां के लोग वर्षो से बकरी पालन करना अशुभ मानते हैं। यह गांव ज़िला मुख्यालय से 20 किमी दूर स्थित चंडी प्रखंड का ढकनिया गांव है। यह गांव गंगौरा पंचायत का वार्ड संख्या 02 है। इस गांव में डेढ़ से दो सौ घर की आबादी है। जो 5000 वर्ग फुट में है। इस गांव में जाती समाज के लोग गांव में बसे हुए हैं। आज से 40-45 वर्ष पूर्व पर्यावरण विद कहे जाने वाले स्व। सुरेंद्र सिंह ने बकरी के खेत में लगी फ़सल खा जाने और उसके छींक को अशुभ माना था। जिसके बाद गांव में किसी प्रकार का विवाद न उत्पन्न हो इस वजह से सभी गांव वासियों के साथ बैठक कर आपसी सहमति से बकरी पालन छोड़ दिया गया। ढकनिया गांव के ग्रामीणों ने लोकल 18 से बात करते हुए मुकेश, बब्बन और राजकुमार ने बताया कि यह पुरानी परंपरा है, जिसे आज भी गांव के लोग मानते आ रहे हैं. आगे भी गांव के युवा इस परंपरा को मानते आएंगे. यहां के लोगों की ऐसी मान्यता है कि जब से यह परंपरा शुरू हुआ है तबसे आज तक किसी प्रकार का कोई अनहोनी नहीं हुई है और खुशहाल गांव के रूप में जाने जाते हैं. यही नहीं इस गांव में स्व. सुरेंद्र सिंह द्वारा 3 एकड़ में एक वाटिका है जिसका नाम कुंदन वाटिका दिया गया है. यहां कई प्रकार के औषधीय गुण वाले पौधे व गुणकारी फ़ल एवं सब्ज़ी और मसाले लगे हुए हैं. जिससे यहां के ग्रामीणों को उसका लाभ पहुंचाया जाता है. चाहे वह किसी भी वर्ग समाज के लोग हैं. अगर उनके ज़रूरत की चीज़े वहां है तो वहां से मदद की जाती है. इसके अलावा इस गांव की खासियत यह भी है कि इस गांव से अभी तक एक भी मामला थाने नहीं पहुंचा है. जो वहां रिकॉर्ड दर्ज हो जब से यह गांव बसा है. इसके बाद नीतीश कुमार के शराबबंदी कानून से पहले से वहां के लोग न शराब पीते थे न ही बनाते हैं. इसके साथ ही गांव में पंच और वार्ड सदस्य का चुनाव निर्विरोध चुने जाते हैं. जितने ग्रामीण हैं उनके सहमति से हर वर्ग के लोगों को खुद ही मनोनित करते हैं. जो बिहार के आदर्श गांव के रूप में यह गांव है. साथ ही अभी तक इस गांव में एक आंकड़ा के अनुसार 85त्न लोग शिक्षित हैं और गांव के अलावा दूसरे जगह पर विभाग में कार्यरत हैं.

पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को उम्रकैद

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला, राजद नेता को हाईकोर्ट ने दी थी राहत, एमएलए अशोक सिंह हत्याकांड में सजा काट रहे पूर्व सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

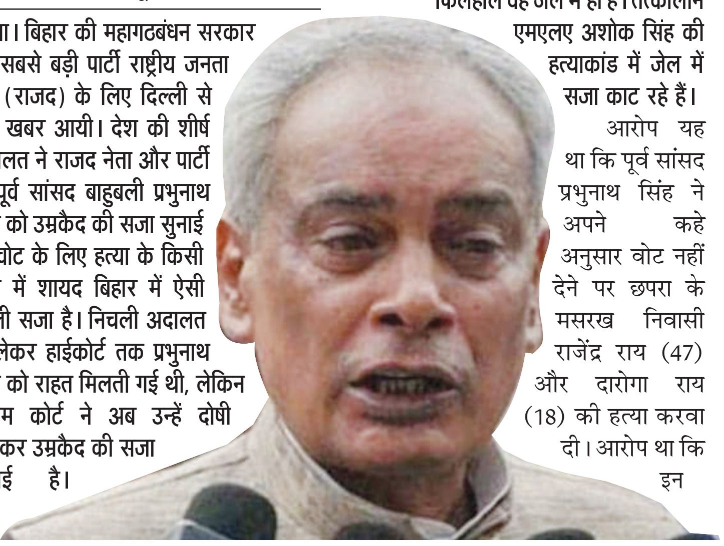

पटना। बिहार की महागठबंधन सरकार की सबसे बड़ी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के लिए दिल्ली से बुरी खबर आयी। देश की शीर्ष अदालत ने राजद नेता और पार्टी के पूर्व सांसद बाहुबली प्रभुनाथ सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वोट के लिए हत्या के किसी केस में शायद बिहार में ऐसी पहली सजा है। निचली अदालत से लेकर हाईकोर्ट तक प्रभुनाथ सिंह को राहत मिलती गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अब उन्हें दोषी मानकर उम्रकैद की सजा सुनाई है।

फिलहाल वह जेल में ही हैं। तत्कालीन एमएलए अशोक सिंह की हत्याकांड में जेल में सजा काट रहे हैं। आरोप यह था कि पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह ने अपने कहे अनुसार वोट नहीं देने पर छपरा के मसरख निवासी राजेंद्र राय (47) और दारोगा राय (18) की हत्या करवा दी। आरोप था कि इन लोगों ने प्रभुनाथ सिंह समर्थित प्रत्याशी को अपना मत नहीं दिया था। पहले यह मामला निचली अदालत पहुंचा था। 2008 में सबूतों अभाव में यहां से पूर्व सांसद को रिहाई मिल गई थी। इसके बाद यह मामला पटना हाईकोर्ट में पहुंचा। 2012 पटना हाईकोर्ट में मामला गया तो यहां पर निचली अदालत के फैसले को सही माना। इस फैसले के विरोध में राजेंद्र राय के भाई ने सुप्रीम कोर्ट से न्याय की गुहार लगाई थी।

प्रभुनाथ सिंह के खिलाफ मिले पर्याप्त सबूत

सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों (जस्टिस किशन कौल, जस्टिस एएस ओका, जस्टिस विक्रम नाम) की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। दोनों पक्ष की दलीलों को सुना। इस मामले प्रभुनाथ सिंह के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाया। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को डबल मर्डर केस में दोषी करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बिहार के डीजीपी को प्रभुनाथ सिंह को पेश करने का आदेश दिया था। इसके बाद इस मामले में 28 अगस्त को प्रभुनाथ सिंह की ओर आवेदन दायर की गई थी। इसमें वर्चुअली उपस्थित होने की अनुमति मांगी थी। जस्टिस कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने एक सितंबर को सजा के सवाल पर सुनवाई के लिए फिजिकल उपस्थिति के बजाय, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअली उपस्थित होने की अनुमति दे दी गई थी।

जम्मू-कश्मीर में जल्द हो सकते हैं चुनाव : केंद्र सरकार

» अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट को दिया भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर बड़ा बयान आया है। केंद्र ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में जल्द ही कभी भी चुनावों का एलान किया जा सकता है। केंद्र ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में तीन चुनाव बाकी हैं। जैसे ही पहला त्रिस्तरीय पंचायती राज सिस्टम लाया जाएगा, वैसे ही पहले चुनाव पंचायत के होंगे।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि लेह हिल डेवलपमेंट काउंसिल के चुनाव खत्म हो चुके हैं और कारगिल में सितंबर में चुनाव होने हैं। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि वह जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा देने की समयसीमा नहीं बता सकता। हालांकि, केंद्र ने साफ किया कि जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा अस्थायी है और इसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए कार्यवाही की जा रही है।

पहले होंगे पंचायत व नगर निकाय चुनाव: सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ से कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव पर निर्णय भारत निर्वाचन आयोग और राज्य चुनाव आयोग को लेना है। मेहता ने पीठ को बताया कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव तीन स्तरों पर होंगे- पहला पंचायत चुनाव, दूसरा नगर निकाय चुनाव और फिर विधानसभा स्तर पर चुनाव होगा।

मुस्लिम बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा बंधन के अवसर पर दिल्ली हज कमिटी की अध्यक्ष कौसर जहाँ ने मुस्लिम बहनों के साथ मिलकर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को रक्षा सूत्र बाँधा।

इस मौके पर वीरेंद्र सचदेवा ने सभी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में समाज का हर वर्ग आपस में परस्पर प्रेम भाव के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। साथ ही उन्होंने रक्षा बंधन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 33 करोड़ महिलाओं को एलपीजी गैस सिलिंडर में 200 रुपये की कमी करके रक्षा बंधन का जो उपहार दिया है इसके लिए भी धन्यवाद किया। इस मौके पर मौजूद दिल्ली स्टेट हज कमिटी की अध्यक्ष कौसर जहाँ सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। और देश मे जब से मोदी जी की सरकार आयी है तब से बिना किसी भेद भाव के हर योजनाओं का लाभ हर वर्ग को पहुंच रहा है इसकी बात की।

उमस से बेहाल है उत्तर भारत

मानसून सीजन में अगस्त रहा सूखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौसम विभाग के अनुसार, अभी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। अभी एक सप्ताह तक तापमान सामान्य से अधिक ही दर्ज होगा। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री रहने का अनुमान है। अगस्त का महीना इस बार वर्ष 2014 के बाद बारिश न होने से सूखा रहा है।

मानसून सीजन में अगस्त के महीने में सबसे अधिक बारिश होती है, लेकिन इस बार केवल 11 दिन ही बारिश दर्ज की गई वो भी काफी हल्की। इस कारण इस वर्ष अगस्त के महीने में केवल 91.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। इससे पहले वर्ष 2014 में 41.6 मिमी बारिश दर्ज हुई थी। इस तरह से यह अगस्त 9 साल बाद सबसे कम बारिश वाला महीना रहा है। दिल्ली में अगस्त के महीने में औसतन 245.7 मिमी बारिश होती है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार वर्ष 2014 के बाद कम बारिश हुई है। इस कारण से तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिली और उमस भी ज्यादा रही।

गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं

मौसम विभाग के अनुसार, अभी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। अभी एक सप्ताह तक तापमान सामान्य से अधिक ही दर्ज होगा। शुक्र वार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। हालांकि एक व दो सितंबर को 25-35 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के कारण उमस से थोड़ी राहत मिलेगी। दो से चार सितंबर तक तापमान 37 डिग्री रहने की संभावना है। उसके बाद पांच व छह सितंबर को तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इस बार मानसून लाइन (कम दबाव वाला क्षेत्र) पहाड़ों की तलहटी में रही। पूर्वी हवाएं कम और पश्चिमी हवाएं ज्यादा थीं। इस कारण बारिश की गतिविधियां कम रहीं। मानसून सीजन में जिस तरह के बादल होते हैं, वैसे नहीं रहे।

हेमंत राव बने राजस्व परिषद के अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में तीन आईएएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। सुभाष चन्द्र शर्मा को प्रमुख सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण बनाया गया है।

नरेंद्र भूषण को प्रमुख सचिव विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा राज्य सरकार ने 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हेमंत राव को राजस्व परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया है। परिषद के अध्यक्ष संजीव मित्तल 30 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गए थे।

बोपन्ना-एबडेन की जीत के साथ शुरुआत

» अमेरिकी ओपनः ओकोनेल व वुकिच को दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केनबरा। अमेरिकी ओपन के पुरुष युगल वर्ग में भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने क्रिस्टोफर ओकोनेल और अलेक्जेंडर वुकिच को सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने अमेरिकी ओपन के पुरुष युगल वर्ग में क्रिस्टोफर ओकोनेल और अलेक्जेंडर वुकिच को सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

छठी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन ने आस्ट्रेलिया की जोड़ी को एक घंटे से भी कम समय में 6-4, 6-2 से हराया। 43 वर्ष के बोपन्ना और 35 वर्ष के एबडेन ने पांच में से तीन ब्रेक प्वाइंट भुनाये। दोनों विम्बलडन 2010 में भी सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। अमेरिकी ओपन 2010 उपविजेता बोपन्ना और एबडेन का सामना अब अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवासेविच और

निकोलस मोरेनो डि अलबोरान और कजाखस्तान के आंद्रेइ गोलुबेव और रूस के रोमन साफिउलिन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। वहीं महिला वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने कैमिला जियोर्जी को 6-2, 6-2 से मात देकर अगले दौर में जगह बना ली। पांचवीं वरीयता प्राप्त ओंस जबाउर ने कैमिला ओसोरियो को 7-5, 7-6 से मात दी। वहीं लैला फर्नांडिज को 22वीं रैंकिंग वाली एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने 7-6, 5-7, 6-4 से हराया। अमेरिकी ओपन 2022 सेमीफाइनल खेलने वाली कैरोलिन

मेदवेदेव भी आगे बढ़े

रूस के डेनिल मेदवेदेव ने एक घंटे 14 मिनट में एट्टिला बालाज को 6-1, 6-1, 6-0 से हराकर अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। वहीं महिला वर्ग में अमेरिकी धुरंधर वीनस विलियम्स को बेल्जियम की क्वालीफायर ग्रीट मिनेन ने 6 -1, 6-1 से मात दी। यह अमेरिकी ओपन ग्रैंडस्लैम में वीनस के कैरियर के सौ मैचों में उनकी सबसे एकतरफा हार थी। उन्होंने यहां 2000 और 2001 में खिताब जीता है। यहां 2012 में खिताब जीतने वाले एंडी मर्रे ने कोरेंटिन मूटेट को 6-2, 7-5, 6-3 से हराया।

गार्शिया को चीनी क्वालीफायर वांग याफान ने 6-4, 6-1 से हराया। पुरुष वर्ग में 12वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव और 16वीं रैंकिंग वाले कैम नॉरी भी अगले दौर में पहुंच गए। कारेन खाचानोव को अमेरिकी वाइल्ड कार्डधारी माइकल एम ने 6-2, 6-4, 6-2 से हराया। फ्रांस के उगो हुम्बर्ट को मातेओ बेरेत्तिनी ने 6-4, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी।

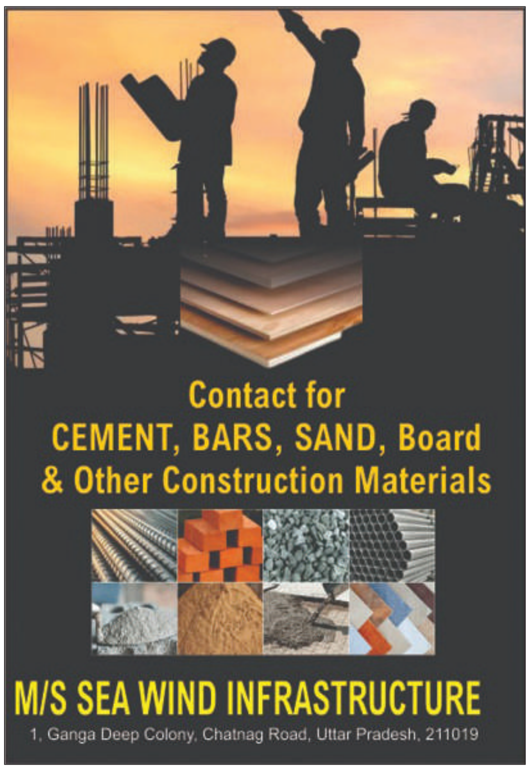

एक देश, एक चुनाव पर केंद्र ने बनाई समिति, रामनाथ कोविंद तैयार करेंगे रिपोर्ट

पूर्व राष्ट्रपति को अध्यक्ष बनाने पर गरमाई सियासत

» मोदी सरकार पर भड़का विपक्ष, बोला- पूर्व राष्ट्रपति कैसे हो सकते हैं किसी समिति के अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सभी को चौंकाते हुए 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद के विशेष सत्री की जानकारी संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार (31 अगस्त) को एक्स पर दी। इस सत्र में कुल 5 बैठकें होंगी। संसद के विशेष सत्र को लेकर अब तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं सभी राजनीतिक दलों ने इसपर प्रतिक्रिया दी है। एक देश एक चुनाव पर केंद्र सरकार ने कमेटी बना दी है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को इसका अध्यक्ष बनाया गया है।

आज इसका नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। केंद्र सरकार ने 18 सितंबर से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संभव है कि एक देश एक चुनाव पर सरकार बिल भी ला सकती है। केंद्र की बनाई कमेटी एक देश एक चुनाव के कानूनी पहलुओं पर गौर करेगी। साथ ही इसके लिए आम लोगों से भी राय लेगी। इस बीच, भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा कोविंद से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। हालांकि, इस मुलाकात की वजह सामने नहीं आई है। सरकार इस फैसले पर विपक्ष ने मोदी व भाजपा को घेर लिया है। इधर, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आखिर एक देश एक चुनाव की सरकार को अचानक जरूरत क्यों पड़ गई।

वहीं कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के डिप्टी ष्ट्रूटीएस सिंहदेव ने कहा- व्यक्तिगत तौर पर मैं एक देश एक चुनाव का स्वागत करता हूं। यह नया नहीं, पुराना ही आइडिया है

ये एकदम संभव नहीं : कमलनाथ

मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नेता और पूर्व सीएम कमलनाथ ने एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि ये एकदम से संभव नहीं है। नीमच में कमलनाथ ने कहा कि, ये आसान काम नहीं है, ये एकदम संभव भी नहीं है। सारी विधानसभा से पारित करवाना पड़ेगा, जिसमें बीजेपी शासित राज्य तो कर देंगे मगर दूसरे राज्यों में आसान नहीं होगा, वैसे देश में सब कुछ एक साथ हो तो ये अच्छा भी है।

संसदीय व्यवस्था की सारी मान्यताओं को सरकार तोड़ रही है : सपा

समाजवादी पार्टी सांसद रामगोपाल यादव ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को समिति के अध्यक्ष बनाए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से पूर्व राष्ट्रपति को किसी भी पद पर नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। अगर सरकार ऐसा किया है तो यह गलत है। सपा सांसद ने कहा कि वन नेशन और वन इलेक्शन पर चर्चा होनी चाहिए और फिर कोई निर्णय लिया जाना चाहिए। सांसद रामगोपाल यादव ने कहा,संसदीय व्यवस्था की सारी मान्यताओं को यह सरकार तोड़ रही है। अगर विशेष सत्र बुलाना था तो सरकार को सभी विपक्षी पार्टियों से कम से कम अनौपचारिक तौर पर बात करनी चाहिए थी। अब किसी को नहीं पता है कि एजेंडा क्या है और सत्र बुला लिया गया है।

क्या देश में तानाशाही चल रही है : कांग्रेस

संसद के विशेष सत्र और सत्र के एजेंडे की अटकलों पर कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि सत्र के एजेंडे को लेकर सस्पेंस है, कौन सा बिल आएगा, कौन सा नहीं आएगा। मीडिया में चर्चा है कि एक देश, एक चुनाव के लिए कानून आ सकता है, महिला आरक्षण और यीसीसी के लिए कानून आ सकता है। अगर आप विशेष सत्र बुलाना चाहते हैं तो पहले आपको बुलाना चाहिए विपक्ष को विश्वास में लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाएं। क्या देश में तानाशाही चल रही है।

इंडिया गठबंधन की बैठकों से बीजेपी डरी : आप

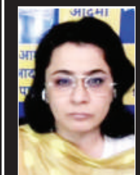

आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने संसद के विशेष सत्र और सत्र के एजेंडे की अटकलों पर कहा, इससे साफ पता चलता है कि वे डरे हुए हैं। इंडिया गठबंधन की पहली दो बैठकों के बाद, उन्होंने एलपीजी की कीमतों में 200 रुपये की कटौती कर दी। अब, वे संविधान में संशोधन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन वे इसके साथ आगामी चुनाव नहीं जीत पाएंगे।

पहले कीजिए निष्पक्ष चुनाव की बात : संजय राउत

शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन ठीक है, लेकिन उससे पहले निष्पक्ष चुनाव की बात कीजिए. निष्पक्ष चुनाव हमारा नारा है। जो आज देश में नहीं हो रहा है। हम निष्पक्ष चुनाव की मांग कर रहे हैं, इसी के लिए वन नेशन वन इलेक्शन का फंडा लेकर आए हैं ये लोग। वहीं शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के नेता अनिल देसाई ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन की कमेटी का गठन किसके द्वारा किया जा रहा है, हम कह रहे हैं कि आपका जो भी एजेंडा है, उस पर चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष सहित सभी से भी राय लेनी चाहिए।

इस सत्र में चीन के साथ सीमा मुद्दे पर चर्चा हो : ओवैसी

ऑल इंडिया मजिलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने संसद के विशेष सत्र के दौरान तीन मांगें रखी हैं। ओवैसी ने कहा कि सत्र के दौरान चीन के साथ सीमा मुद्दे पर चर्चा की अनुमति दी जानी चाहिए और जस्टिस रोहिणी आयोग की सिफारिशों को लागू करना चाहिए। हैदराबाद से लोकसभा सांसद ने कहा, हम शुरू से ही एक विशेष सत्र की मांग कर रहे थे क्योंकि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किमी जनीम पर अतिक्रमण कर लिया है। चीन डेपसांग और डेमचोक को नहीं छोड़ रहा है, जब सरकार विशेष सत्र बुलाएगी, तो हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री चीन पर चर्चा की अनुमति देंगे। दूसरा, रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। इसलिए, हम मांग करते हैं कि मोदी सरकार विशेष सत्र में एक विधेयक लाए ताकि 50 फीसदी आरक्षण की सीमा टूट सके।

बीजेपी और पीएम मोदी हताश हैं : डी राजा

संसद के विशेष सत्र और सत्र के एजेंडे की अटकलों पर सीपीआई के महासचिव डी राजा ने कहा, कई सारी अटकलें हैं। सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया है। क्या मुद्दे हैं? एजेंडा क्या होगा? कोई नहीं जानता। लेकिन अटकलें हैं। लेकिन हम उन अटकलों का सामना करेंगे, क्योंकि जब से बीजेपी सत्ता में आई है, संसद लगातार व्यर्थ होती जा रही है... एक बात बहुत स्पष्ट है कि बीजेपी और पीएम मोदी हताश हैं और वे चुनाव का सामना करने को लेकर आश्वस्त नहीं। इंडिया गठबंधन को देखने के बाद वे डरे हुए हैं।

फोटो: 4पीएम

धरना स्वास्थ्य भवन चौराहे पर बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

सोशल मीडिया से भड़की थी नूंह में हिंसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। नूंह में हुई हिंसा के लिए सोशल मीडिया जिम्मेदार रहा है। हरियाणा सरकार को इसके इनपुट मिले हैं। निजी और सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद ही हरियाणा पुलिस ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने के मामले में अलग अलग 11 एफआईआर दर्ज की हैं।

इनमें से कई आरोपियों को नामजद किया गया है, जबकि अन्य अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इनके अलावा, साइबर टीमें सोशल मीडिया को खंगाल रही हैं, जहां

31 जुलाई से पहले विवादित या उकसाऊ पोस्ट की गई हैं। 31 जुलाई को नूंह में धार्मिक यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी। इसमें 6 लोगों की जान चली गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए और और सरकारी वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था।

दोनों पक्षों ने डाली थी उकसाऊ पोस्ट

इस मामले को लेकर 31 जुलाई से पहले ही दोनों तरफ से उकसाऊ पोस्ट की गई, जिससे मामला अधिक बढ़ गया। सोशल मीडिया की पोस्टों के चलते ही राजस्थान और उत्तर प्रदेश तक के युवा यहां पर पहुंचे थे। पुलिस इन आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस का दावा है कि इनमें से कई की तो पहचान कर ली गई है, जबकि अन्य की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा पुलिस इंस्टाग्राम, फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया साइटस को खंगाल रहा है, जहां विवादित पोस्ट की हुई हैं।

विक्रम लैंडर ने चांद पर महसूस किया कंपन

» कई खनिज तत्वों की जानकारी भेजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। चंद्रयान-3 ने अब तक चंद्रमा पर कुछ बेहद महत्वपूर्ण तत्वों की मौजूदगी का पता लगाया है। प्रज्ञान रोवर और विक्रम लैंडर पर लगे उपकरण लगातार चांद को स्कैन कर रहे हैं। इसरो ने एक अपडेट में बताया कि लैंडर पर लगे आईएलएसए ने कोई इवेंट रिकॉर्ड किया है।

यह नैचरल इवेंट(कंपन) लग रहा है। इसरो इस इवेंट के सोर्स का पता लगा रहा है। विक्रम लैंडर पर लगे रम्भा-एलपी ने भी प्लाज्मा एन्वायर्नमेंट का मैप बनाया है। रम्भा से रेडियो वेव कम्युनिकेशन में लूनर प्लाज्मा की वजह से आने वाली आवाज

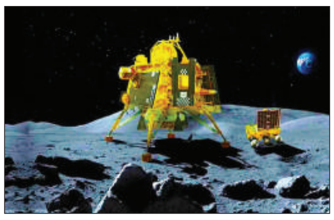

को कम करने में मदद मिलती है। जब विक्रम और प्रज्ञान अपने 14 दिन के मिशन को पूरा कर लेंगे, तब नासा का पेलोड लेजर रेट्रो-रिफ्लेक्टर ऐरे (एआरए) ऐक्टिव होगा। यह चांद पर किसी भी ऑब्जेक्ट को ट्रैक करने में काम आएगा। चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान में लगे दूसरे इक्विपमेंट ने भी चांद के साउथ पोल की सतह पर सल्फर की मौजूदगी का पता लगाया है। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि रोवर में लगे अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोप ने अब चांद पर सल्फर के साथ अन्य तत्वों का भी पता लगाया है। इसरो ने यह भी कहा कि अब इस बात खोज कर रहे हैं कि चांद पर सल्फर आया कहां से? यह आंतरिक रूप से मौजूद है कि कोई ज्वालामुखीय घटना है या फिर किसी उल्कापिंड से चांद पर पहुंचा है। इससे पहले, रोवर पर लगे लेसर स्पेक्ट्रोस्कोप इक्विपमेंट ने एल्युमिनियम, कैल्सियम, आयरन, क्रोमियम, टाइटैनियम, मैंगनीज, सिलकन और ऑक्सिजन का भी पता लगाया था।?

कल लॉच होगा आदित्य एल-1, इसरो वैज्ञानिकों की टीम तैयार

इसरो का महत्वाकांक्षी सोलर मिशन भारत के पहले सोलर मिशन आदित्य एल-1 का काउंटडाउन शुरू हो गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने शुक्रवार (1 सितम्बर) को ये जानकारी दी है। इसके पहले इसरो वैज्ञानिकों की एक टीम आदित्य-एल1 मिशन के मिनी मॉडल के साथ तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंची। भारत का पहला सौर मिशन (आदित्य-एल1 मिशन) 2 सितंबर को सुबह 11.50 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च की तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए इसरो चीफ एस सोमनाथ ने बताया था, ''रॉकेट और सैटेलाइट तैयार हैं. हमने प्रक्षेपण के लिए अभ्यास पूरा कर लिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।